NCERT SOLUTIONS

CLASS - 10th

aglasem.com

Class : 10th

Subject : हिंदी

Chapter : 10

Chapter Name : बड़े भाई साहब

मौखिक

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

Q. 1. कथा नायक की रूचि किन कार्यों में थी?

Answer –कथा नायक को वॉलीबॉल की फुर्ती, फुटबॉल की उछलकूद, कबड्डी के दाँव-पेंच, मैदान की हरियाली आकर्षित करती थी | उसकी रूचि खेलने में, कंकरिया उछालने में, कागज़ की तितलियाँ उड़ाने में, फाटक पर सवार उसे आगे-पीछे चलाने में थी |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

Q. 2. बड़े भाई साहब छोटे भाई से हर समय पहला सवाल क्या पूछते थे?

Answer – बड़े भाई साहब का पहला सवाल यह होता था - 'कहा थे '?

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

Q. 3. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

Answer – दूसरी बार पास होने पर छोटा भाई और स्वच्छंद हो गया | वो सोचने लगा कि बिना पढ़े भी वह पास हो सकता हैं और अपना अधिकांश समय पतंगबाज़ी में व्यतीत करने लगा |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

Q. 4. बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में कितने बड़े थे और वे कौन-सी कक्षा में पढ़ते थे?

Answer – बड़े भाई साहब छोटे भाई से उम्र में पाँच साल बड़े थे और वे नौवीं कक्षा में पढ़ते थे |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

Q. 5. बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए क्या करते थे?

aglasem.com

Answer – बड़े भाई साहब दिमाग को आराम देने के लिए कभी कॉपी पर, किताब के हाशियों पर चिड़ियाँ, कुत्ते, बिल्ली की तस्वीरें बनाया करते थे | कभी एक ही नाम, शब्द या वाक्य को, एक ही शेर को बार-बार लिखते |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए -

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

Q. 1. छोटे भाई ने अपनी पढ़ाई का टाइम-टेबिल बनाते समय क्या-क्या सोचा और फिर उसका पालन क्यों नहीं कर पाया?

Answer – छोटा भाई खूब जी लगाकर पढ़ने के इरादे से टाइम-टेबल बनाता जिसमें खेल-कूद के लिए कोई स्थान नहीं रहता था | टाइम-टेबल बना लेना आसान था लेकिन उस पर अमल करना मुश्किल | पहले ही दिन से उसकी अवहेलना शुरू हो जाती क्योंकि वॉलीबॉल की फुर्ती, फुटबॉल की उछलकूद, कबड्डी के दाँव-पेंच, मैदान की हरियाली, हवा के झोंके उसे अपनी ओर खींच लेते और वह सब कुछ भूल जाता |

aglasem.com

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

Q. 2. एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुँचा तो उनकी क्या प्रतिक्रिया हुई ?

Answer – एक दिन जब गुल्ली-डंडा खेलने के बाद छोटा भाई बड़े भाई साहब के सामने पहुँचा तो उन्होंने गुस्से में उसे बहुत डाँटा | बड़े भाई साहब ने उसे कहा कि - खेल-कूद को छोड़कर पढ़ाई पर ध्यान दो| सिर्फ परीक्षा में पास हो जाना काफी नहीं, बुद्धि का विकास होना भी जरुरी हैं | घमंड इंसान की बुद्धि भृष्ट कर देता है जैसे रावण की और फिर इंसान का अंत तय हैं |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

Q. 3. बड़े भाई साहब को अपने मन की इच्छाएँ क्यों दबानी पड़ती थीं?

Answer – बड़े भाई साहब का भी मन करता था खेलने का, पतंगबाज़ी करने का, लेकिन उन्हें लगता था कि यदि वे ही इस राह पर चलने लगे तो अपने छोटे भाई को क्या समझाएंगे | छोटे भाई की जिम्मेदारी की वजह से उन्हें अपने मन की इच्छाएँ दबानी पड़ती थी |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

Q. 4. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

Answer – बड़े भाई साहब छोटे भाई को खेल-कूद से दूर रहने और पढ़ाई में ध्यान देने की सलाह देते थे | उन्हें लगता था कि अंग्रेज़ी पढ़ना बच्चों का खेल नहीं, उसके लिए दिन-रात मेहनत करनी पड़ती हैं |बड़े

भाई साहब चाहते थे कि छोटा भाई हमेशा सही राह पर चले इसलिए वे उसके साथ थोड़ा सख्ती से पेश आते थे |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

Q. 5. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फ़ायदा उठाया?

Answer – बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का फायदा उठाकर छोटा भाई और स्वछंद हो गया | वो सोचने लगा कि बिना पढ़े भी वह पास हो सकता हैं और अपना अधिकांश समय पतंगबाज़ी में व्यतीत करने लगा |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए -

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए –

Q. 1. बड़े भाई की डाँट-फटकार अगर न मिलती, तो क्या छोटा भाई कक्षा में अव्वल आता? अपने विचार प्रकट कीजिए ।

Answer – छोटा भाई बड़े भाई साहब की डांट-फटकार के डर से ही थोड़ी बहुत पढ़ाई कर लेता था | यदि बड़े भाई साहब का डर और कड़ा अनुशासन न होता तो छोटा भाई कभी अव्वल न आता | बड़े भाई साहब छोटे भाई को उसके हित के लिए ही डाँटते थे लेकिन उस वक़्त उसे भाई साहब का डाँटना अच्छा नहीं लगता था | लेकिन उनकी डांट का ही असर था जो छोटा भाई हर कक्षा में इतने अच्छे नंबरों से पास हो जाता था |

Page: 63, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए –

Q. 2. इस पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं?

Answer – लेखक ने इस पाठ में शिक्षा की आधुनिक प्रणाली पर व्यंग किया है | आधुनिक शिक्षा प्रणाली में किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जाता हैं | जो किताबों में लिखा होता है शिक्षक चाहते है बच्चे वैसा ही रट ले | जो बात सीधी एक-दो वाक्यों में कही जा सकती है उसे भी नंबर लाने के लिए बढ़ा-चढ़ा कर लिखना ज़रुरी हो गया हैं | व्यावहारिक ज्ञान आज की शिक्षा प्रणाली से लुप्त हो गया हैं |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

Q. 3. बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है?

Answer – बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ किताबें पढ़ने से नहीं आती बल्कि दुनिया देखने से आती हैं | बड़े लोगों को दुनिया और जिंदगी के अनुभव ज्यादा होते हैं | अपने अनुभव के आधार पर ही वे लोग अपनी समस्याओं के समाधान खोज लेते हैं | सिर्फ किताबी ज्ञान ज़रुरी नहीं होता, बुद्धि का विकास होना भी ज़रुरी हैं |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए –

Q. 4. छोटे भाई के मन में बड़े भाई साहब के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?

Answer – बड़े भाई साहब ने छोटे भाई को जिंदगी के अनुभवों के बारे में समझाया | उन्होंने उसे बताया कि बड़े भाई के रहते तुम कभी भी गलत राह पर नहीं चल पाओगे | अगर सिर्फ समझाने से छोटा भाई न समझें तो बड़े भाई साहब थप्पड़ का भी प्रयोग कर सकते हैं | बड़े भाई साहब की ये सब बातें सुनकर छोटे भाई को एहसास हुआ कि चाहें वो कितने ही अच्छे नंबरों से पास हो जाए, किसी भी कक्षा में आ जाए लेकिन भाई साहब से उम्र और अनुभव में हमेशा छोटा ही रहेगा और उसके मन में बड़े भाई के प्रति श्रद्धा उत्पन्न हुई |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए –

Q. 5. बड़े भाई की स्वभावगत विशेषताएँ बताइए?

Answer – बड़े भाई साहब स्वभाव से अध्ययनशील थे | किसी भी मामले में जल्दबाज़ी उन्हें पसंद न थी | वे अनुशासनप्रिय थे और अपने छोटे भाई को भी अनुशासन में रखते थे | अपने छोटे भाई के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को वे समझते थे और निभाते भी थे | अपने छोटे भाई को गलत राह पर जाने से रोकने के लिए वे अपनी इच्छाओं को भी दबा देते थे |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

Q. 6. बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव और किताबी ज्ञान में से किसे और क्यों महत्वपूर्ण कहा है?

Answer – बड़े भाई साहब ने ज़िंदगी के अनुभव को महत्वपूर्ण बताया है | उनके अनुसार किताबी ज्ञान से सिर्फ डिग्रियाँ हासिल की जा सकती हैं लेकिन बुद्धि का विकास नहीं हो पाता | जिंदगी के अनुभव से ही इंसान अपनी समस्याओं का समाधान करने योग्य बनता है, उसमें सही गलत की पहचान करने की समझ आती हैं |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए -

Q. 7. बताइए पाठ के किन अंशों से पता चलता है कि –

(क) छोटा भाई अपने भाई साहब का आदर करता है।

(ख) भाई साहब को ज़िंदगी का अच्छा अनुभव है।

(ग) भाई साहब के भीतर भी एक बच्चा है।

(घ) भाई साहब छोटे भाई का भला चाहते हैं।

Answer –

aglasem.com

(क) बड़े भाई साहब जब छोटे भाई को डाँटते तो वह चुपचाप उनकी बात सुन लेता, कभी पलटकर जवाब नहीं देता था | उनके डांट के डर से पढ़ाई भी कर लेता था |

(ख) बड़े भाई साहब को जिंदगी का अनुभव है, वह अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं | उन्होंने अपने छोटे भाई का भी अच्छे से ध्यान रखा और उसे गलत राह पर जाने से रोकने के लिए अनुशासन में रखा|

(ग) एक दिन एक पतंग उनके ऊपर से गुजर रही थी, उसकी डोर लटक रही थी | बड़े भाई साहब ने अपनी लम्बाई का फायदा उठाते हुए उसे पकड़ लिया और हॉस्टल की तरफ दौड़ने लगे | इस घटना से पता चलता है कि उनके भीतर भी एक बच्चा है।

(घ) बड़े भाई साहब छोटे भाई को हमेशा पढ़ाई करने के लिए कहते रहते थे | उनकी डांट से ही छोटा भाई थोड़ा बहुत पढ़ लेता था और अच्छे नंबरों से पास भी हुआ | वे हमेशा उसकी भलाई चाहते थे |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए –

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए –

Q. 1. इम्तिहान पास कर लेना कोई चीज़ नहीं, असल चीज़ है बुद्धि का विकास।

Answer – बड़े भाई साहब के अनुसार किताबें पढ़कर इम्तिहान तो आसानी से पास किया जा सकता है लेकिन बुद्धि का विकास नहीं हो पाता | बुद्धि का विकास होना जरुरी है क्योंकि जीवन की समस्याएं हम तभी सुलझा सकते हैं |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए –

Q. 2. फिर भी जैसे मौत और विपत्ति के बीच भी आदमी मोह और माया के बंधन में जकड़ा रहता है, मैं फटकार और घुडकियाँ खाकर भी खेल-कूद का तिरस्कार न कर सकता था।

Answer – छोटे भाई को खेल-कूद अत्यंत प्रिय था | जिस प्रकार मनुष्य अपने अंतिम समय तक मोह माया के बंधन से आज़ाद नहीं हो पाता उसी तरह बड़े भाई साहब से डांट -फटकार पाकर भी छोटा भाई खेलना नहीं छोड़ता था |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए –

Q. 3. बुनियाद ही पुख्ता न हो तो मकान कैसे पायेदार बने?

Answer – बड़े भाई साहब शिक्षा के मामले में कोई जल्दबाज़ी नहीं करते थे | उनके अनुसार यदि शुरुआत से ही ठीक से न पढ़े तो आगे जाकर कुछ नहीं कर पाएँगे | पढ़ाई की नींव जब मज़बूत होगी तभी आगे जाकर सफलता मिलेगी |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए –

aglasem.com

Q. 4. आँखे आसमान की ओर थीं और मन उस आकाशगामी पथिक की ओर, जो मंद गति से झूमता पतन की ओर चला आ रहा था, मानो कोई आत्मा स्वर्ग से निकलकर विरक्त मन से नए संस्कार ग्रहण करने जा रही हो।

Answer – एक दिन शाम में छोटा भाई पतंग पकड़ने के लिए दौड़ रहा था | उसकी आँखे निरंतर आसमान में पतंग की ओर ही देख रही थी और उसके मन में उसको पकड़ने की जल्दी थी | पतंग अपनी मस्ती में झूमती धीरे-धीरे नीचे आ रही थी जैसे कोई आत्मा स्वर्ग से उतर रही हो |

Page: 64, Block Name: निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए –

भाषा अध्ययन

Q. 1. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए –

नसीहत, रोष, आज़ादी, राजा, ताज्जुब

Answer –

नसीहत – सलाह, सीख

रोष – गुस्सा, क्रोध

आज़ादी – स्वतंत्रता, मुक्ति

राजा – नरेश, भूपति

ताज्जुब - हैरानी, आश्चर्य

Page: 64, Block Name: भाषा अध्ययन

Q. 2. प्रेमचंद की भाषा बहुत पैनी और मुहावरेदार है। इसलिए इनकी कहानियाँ रोचक और प्रभावपूर्ण होती हैं। इस कहानी में आप देखेंगे कि हर अनुच्छेद में दो-तीन मुहावरों का प्रयोग किया गया है। उदाहरणत: इन वाक्यों को देखिए और ध्यान से पढ़िए –

• मेरा जी पढ़ने में बिल्कुल न लगता था। एक घंटा भी किताब लेकर बैठना पहाड़ था।

• भाई साहब उपदेश की कला में निपुण थे। ऐसी-ऐसी लगती बातें कहते, ऐसे-ऐसे सूक्ति बाण चलाते कि मेरे जिगर के टुकड़े-टुकड़े हो जाते और हिम्मत टूट जाती।

aglasem.com

• वह <u>जानलेवा</u> टाइम-टेबिल, वह <u>आँख-फोड़</u> पुस्तकें, किसी की याद न रहती और भाई साहब को नसीहत और फ़ज़ीहत का अवसर मिल जाता।

निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए –

सिर पर नंगी तलवार लटकना, आड़े हाथों लेना, अंधे के हाथ बटेर लगना, लोहे के चने चबाना, दाँतों पसीना आना, ऐरा-गैरा नत्थू खैरा

Answer –

· सिर पर नंगी तलवार लटकना – खतरा/ भय बना रहना

छोटे भाई को बड़ा भाई हमेशा सिर पर नंगी तलवार लटकता सा प्रतीत होता था |

· आड़े हाथों लेना – खरी-खोटी सुनाना

जब राम बाहर से खेलकर आया तो पिताजी ने उसे आड़े हाथो लिया |

· अंधे के हाथ बटेर लगना – अयोग्य व्यक्ति मूल्यवान वस्तु मिलना

हमेशा खेल-कूद में लगे रहने के बाद भी छोटा भाई अव्वल तो ऐसा लगा जैसे अंधे के हाथों बटेर लग गयी |

· लोहे के चने चबाना – कठिन काम करना

आज की युवा पीढ़ी को सुधारना लोहे के चने चबाने के समान है |

· दाँतों पसीना आना – कठिनाई आना

अंग्रेज़ी पढ़ने में स्नेहा को दाँतो पसीना आ गया |

· ऐरा-गैरा नत्थू खैरा - बेवक़ूफ़ आदमी

कोई भी ऐरा-गैरा नत्थू खैरा अंग्रेज़ी का विद्वान नहीं बन सकता |

Page: 65, Block Name: भाषा अध्ययन

Q. 3. निम्नलिखित तत्सम, तद्भव, देशी, आगत शब्दों को दिए गए उदाहरणों के आधार पर छाँटकर लिखिए।

aglasem.com

तत्सम	तद्भव	देशी	आगत (अंग्रेज़ी एवं उर्दू/ अरबी-फारसी)
जन्मसिद्ध	आँख	दाल-भात	पोज़ीशन, फ़जीहत

तालीम, जल्दबाज़ी, पुख्ता, हाशिया, चेष्टा, जमात, हर्फ़, सूक्तिबाण, जानलेवा, आँखफोड़, घुड़कियाँ, आधिपत्य, पन्ना, मेला-तमाशा, मसलन, स्पेशल, स्कीम, फटकार, प्रातःकाल, विद्वान, निपुण, भाई साहब, अवहेलना, टाइम-टेबिल

Answer –

तत्सम – चेष्टा, सूक्तिबाण, आधिपत्य, मेला, प्रातःकाल, विद्वान, निपुण, अवहेलना

तद्भव – जानलेवा, आँखफोड़, पन्ना, भाई साहब

देशी – घुड़कियाँ, फटकार

आगत (अंग्रेज़ी एवं उर्दू/ अरबी-फारसी) - तालीम, जल्दबाज़ी, पुख्ता, हाशिया, जमात, हर्फ़, तमाशा, मसलन, स्पेशल, स्कीम, टाइम-टेबिल

aglasem.com

Page: 654, Block Name: भाषा अध्ययन

Q. 4. क्रियाएँ मुख्यत: दो प्रकार की होती हैं−सकर्मक और अकर्मक।

सकर्मक क्रिया − वाक्य में जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की अपेक्षा रहती है, उसे सकर्मक क्रिया कहते हैं;

जैसे − शीला ने सेब खाया।

मोहन पानी पी रहा है।

अकर्मक क्रिया − वाक्य में जिस क्रिया के प्रयोग में कर्म की अपेक्षा नहीं होती, उसे अकर्मक क्रिया कहते हैं; जैसे − शीला हँसती है।

बच्चा रो रहा है।

नीचे दिये वाक्यों में कौन-सी क्रिया है − सकर्मक या अकर्मक? लिखिए –

(क) उन्होंने वहीं हाथ पकड़ लिया। -----------------------------

(ख) फिर चोरों−सा जीवन कटने लगा। -----------------------------

(ग) शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। -----------------------------

(घ) मैं यह लताड़ सुनकर आँसू बहाने लगता। -----------------------------

(ङ) समय की पाबंदी पर एक निबंध लिखो। -----------------------------

(च) मैं पीछे-पीछे दौड़ रहा था। -----------------------------

Answer –

(क) सकर्मक क्रिया

(ख) सकर्मक क्रिया

(ग) सकर्मक क्रिया

(घ) सकर्मक क्रिया

(ङ) सकर्मक क्रिया

(च) अकर्मक क्रिया

Page: 65, Block Name: भाषा अध्ययन

Q. 5. इक' प्रत्यय लगाकर शब्द बनाइए –

विचार, इतिहास, संसार, दिन, नीति, प्रयोग, अधिकार

Answer –

विचार - वैचारिक

इतिहास - ऐतिहासिक

संसार - सांसारिक

दिन - दैनिक

नीति - नैतिक

aglasem.com

प्रयोग – प्रायोगिक

अधिकार - आधिकारिक

Page: 65, Block Name: भाषा अध्ययन

योग्यता विस्तार

Q. 1. प्रेमचंद की कहानियाँ मानसरोवर के आठ भागों में संकलित हैं | इनमें से कहानियाँ पढ़िए और कक्षा में सुनाइए | कुछ कहानियों का मंचन भी कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 65, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 2. शिक्षा रटंत विद्या नहीं है - इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 65, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 3. क्या पढ़ाई और खेल-कूद साथ-साथ चल सकते हैं - कक्षा में इस पर वाद-विवाद कार्यक्रम आयोजित कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 66, Block Name: योग्यता विस्तार

Q. 4. क्या परीक्षा पास कर लेना ही योग्यता का आधार है? इस विषय पर कक्षा में चर्चा कीजिए |

Answer - छात्र स्वयं करें |

Page: 66, Block Name: योग्यता विस्तार

aglasem.com